DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY ACHIEVEMENTS

DR SURAIYA K ANSARI

HOD MICROBIOLOGY

NEW ACHIEVEMENTS IN DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY (2024-25)

MD Microbiology (3 seats) started in the department

Free of cost **Viral load testing for Hepatitis B & C** by RTPCR and MicroPCR TruNAT under NVHCP

Testing facility for **Hepatitis A and E** started

Culture facility for Tuberculosis by **MGIT** and antitubercular **drug sensitivity testing** (both **1st & 2nd line) by Line probe assay (LPA)**

Water testing for coliforms

Hospital Infection control practices implemented with regular **surveillance** of high risk areas for HAIs by Infection control team

Department of Microbiology(Investigations)

SEROLOGY	V.D.R.L. Test / R.P.R. Test
	Widal Test
	A.S.O. Test
	R.A. Test
	HBsAg Test (ELISA)
	HCV (Anti HCV) (ELISA)
	C.R.P. Test
	Dengue Test
	Chikungunya
	Scrub Typhus
BACTERIOLOGY	Pus, Urine, Stool, Sputum, Blood C\S
	Sterile body fluid C/S (CSF, Pleural fluid, Ascitic fluid, Synovial fluid)
	ET aspirate C/S
	BAL fluid C/S
	Sterility test (Blood bag)
	Sputum for A.F.B.
	Slit Skin Smear for A.F.B.
	Throat Swab. for C\S
	Antibiotic sensitivity testing of positive growth samples
	Corneal Scraping/ Corneal button C/S
PARASITOLOGY	Ova, Cyst detection on stool microscopy
MYCOLOGY	KOH mount of clinical samples (body fluid, sputum, skin scraping, nail clipping, corneal scrapping)
	Fungal C\S

HIV LAB	HIV Test
HOSPITAL INFECTION CONTROL	OT Cultures
	Water Testing for Coliforms
MOLECULAR LAB (VDRL)	COVID RTPCR
	Influenza RTPCR
	HBsAg Viral Load (TruNAT)
	HCV Viral Load (TruNAT)
	HBsAg RTPCR
	HCV RTPCR
	HAV
CDST LAB for TB	Liquid culture for TB (MGIT)
	FL LPA
	SL LPA

Certification of LPA lab for TB Genotyping **Drug Resistance Testing to Rifampicin and Isoniazid (FL-LPA) and Kanamycin, Amikacin, Capreomycin, Levofloxacin and Moxifloxacin (SL-LPA)** by National Mycobacterial Certification System of Central TB Division, Ministry of Health Government of India in 2024

सत्यमेव जयते

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

National Tuberculosis Elimination Programme

CERTIFICATE OF PROFICIENCY

This is to state that **TB Culture and DST Laboratory, Department of Microbiology, GSVM Medical College, Kanpur – 208002, Uttar Pradesh,** is certified by the National Mycobacteriology Certification System of Central TB Division, Ministry of Health, Government of India.

for

TUBERCULOSIS DRUG RESISTANCE TESTING by LPA.

The Laboratory participated in the External Quality Assessment of the NTEP Laboratory Network and demonstrated acceptable proficiency for performing TB Genotypic Drug Resistance Testing to **Kanamycin, Amikacin, Capreomycin, Levofloxacin and Moxifloxacin.**

Method used: Multiplex PCR & Reverse Hybridization

National Reference Laboratory: ICMR-NJIL&OMD, Agra

Certification Number: 90/NTEP/2024

Date of first certification: November 2024

Validity: From **November 2024** To **October 2026**

Issued under authority

29/11/2024

Director, National Reference Laboratory | **National TB Programme Manager**

Disclaimer: The facility complies with the requirements of the National Certification guidelines of the Culture & DST document of the Central TB Division MOH, GOI. While the certificate remains valid, the certified facility named above is authorized to use the relevant NTEP logo of the CTD, MOH GOI to issue the laboratory reports.

सत्यमेव जयते

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

National Tuberculosis Elimination Programme

CERTIFICATE OF PROFICIENCY

This is to state that **TB Culture and DST Laboratory, Department of Microbiology, GSVM Medical College, Kanpur – 208002, Uttar Pradesh,** is certified by the National Mycobacteriology Certification System of Central TB Division, Ministry of Health, Government of India.

for

TUBERCULOSIS DRUG RESISTANCE TESTING by LPA.

The Laboratory participated in the External Quality Assessment of the NTEP Laboratory Network and demonstrated acceptable proficiency for performing TB Genotypic Drug Resistance Testing to **Rifampicin and Isoniazid**

Method used: Multiplex PCR & Reverse Hybridization

National Reference Laboratory: ICMR-NJIL&OMD, Agra

Certification Number: 98/NTEP/2024

Date of first certification: August 2024

Validity: From **August 2024** To **July 2026**

Issued under authority

Director, National Reference Laboratory | **National TB Programme Manager**

DIRECTOR
National JALMA Institute for Leprosy
& other Mycobacterial Diseases
Taj Ganj, AGRA - 282 004

Disclaimer: The facility complies with the requirements of the National Certification guidelines of the Culture & DST document of the Central TB Division MOH, GOI. While the certificate remains valid, the certified facility named above is authorized to use the relevant NTEP logo of the CTD, MOH GOI to issue the laboratory reports.

TB Culture & DST Lab

TB liquid culture → started on 12 March, 2024

Total tests till date-2274

Lab was certified for First Line LPA (Rifampicin & Isoniazid) in August 2024

Total Firstline LPA tests till date- 922

Lab was certified for Second Line LPA (Fluoroquinolones and Second line injectables) in August 2024

Total Second line LPA tests till date- 114

एमडीआर टीबी मरीजों की हर गंभीरता की होगी जांच

अंकुश शुक्ल ● जागरण

कानपुर : कानपुर समेत 18 जिलों से आने वाले टीबी मरीजों के लिए अच्छी खबर है कि उन्हें अब इस बीमारी के गंभीर लक्षणों की जांच के लिए दूसरे शहरों में चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही जांच के लिए उन्हें मोटी रकम भी नहीं चुकाना पड़ेगी। यह संभव हुआ है जीएसवीएम मेडिकल कालेज को सेंट्रल टीबी डिवीजन की ओर से सेकेंड लाइन प्रो एसे जांच यानी एलपीए की मान्यता मिलने के बाद। मेडिकल कालेज टीबी मुक्त भारत अभियान में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे में यहां एलपीए टू जांच की शुरुआत हो जाने से टीबी के मरीजों में प्रयोग होने वाली दवा के शरीर में पड़ने वाले प्रभाव को देखा जा सकेगा। इसके आधार पर मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस (एमडीआर मरीज) के गंभीर मरीजों के इलाज को सही दिशा मिलेगी। अभी तक टीबी के मरीजों को इस जांच के लिए आगरा व लखनऊ के चक्कर लगाने पड़ते थे। वहीं, निजी पैथोलाजी में जांच कराने पर मरीज को आठ से 10 हजार रुपये खर्च करने पड़ते थे।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज की एसोसिएट प्रो. और टीबी सीडीएसटी लैब की नोडल डा. मधु यादव ने बताया कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस कॉम्प्लेक्स में बैक्टीरिया की जांच अब माइक्रोबायोलाजी विभाग में होगी। जांच के लिए लाइन प्रो एसे लैब को अनुमति मिली है, जहां पर बैक्टीरिया के ग्रो के साथ मरीज में दवा के प्रभाव का भी पता चल सकेगा।

माइक्रोबायोलाजी विभाग में जांच करती नोडल डाक्टर मधु यादव ● जागरण

200 से 250 मरीज प्रतिदिन आते है चेस्ट चिकित्सालय में टीबी के प्राथमिक लक्षण के साथ

जीएसवीएम टीबी के संपूर्ण इलाज का केंद्र बन गया है। कालेज के माइक्रोबायोलाजी विभाग में टीबी के गंभीर से गंभीर मरीजों के जांच की सुविधा दी जा रही है। सेकेंड लाइन एलपीए जांच की शुरुआत होने से मरीजों को दूसरे शहर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

– प्रो. संजय काला, प्राचार्य जीएसवीएम मेडिकल कालेज।

दैनिक जागरण

लखनऊ, आगरा नहीं अब जीएसवीएम में हो जाएगी टीबी के गंभीर मरीजों की जांच

जागरण संवाददाता, कानपुर : जीएसवीएम मेडिकल कालेज के माइक्रोबायोलाजी विभाग की हाई कल्चर ड्रग सेंसिटिविटी टेस्ट (एचसीडीएसटी) लैब की शुरुआत हो जाने से टीबी रोग के गंभीर मरीजों के नमूनों की सटीक जांच हो रही है। ट्रायल में करीब 200 जांच के परिणाम बेहतर मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से प्रमाण पत्र दिया गया है।

टीबी कल्चर एंड ड्रग्स सेंसटिविटी टेस्टिंग लैब की नोडल अफसर डा. मधु यादव ने बताया कि एमडीआर और एचडीआर टीबी यानी गंभीर मरीजों की जांच सैंपल के लिए मरीजों को लखनऊ, आगरा और वाराणसी के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब जीएसवीएम मेडिकल कालेज की लैब में क्षय रोगियों को समय पर जांच रिपोर्ट मिलेगी। एचसीडीएसटी लैब उन मरीजों के लिए अधिक कारगर होगी, जिन पर प्राथमिक और द्वितीय चरण की दवाओं का असर बहुत कम या नहीं होता है। जिले को क्षय रोग मुक्त बनाने और गंभीर मरीजों के लिए इस लैब की उपयोगिता सर्वाधिक होगी। इस लैब में क्षय रोग के इलाज में सबसे अहम लिक्विड कल्चर जांच की व्यवस्था होगी। इसकी मदद से सही समय पर बीमारी की स्थिति का पता चल सकेगा। शहर और आसपास के करीब 13 जिलों के मरीजों को लाभ होगा।

जीएसवीएम के माइक्रोबायोलाजी विभाग की कल्चर डीएसटी लैब में सैंपल लेती नोडल अधिकारी डा. मधु यादव ● जीएसवीएम

अच्छी खबर

200 जांचें हो चुकीं डीएसटी लैब में ट्रायल के तौर पर, मिले बेहतर परिणाम

जीएसवीएम की लैब में गंभीर मरीजों की जांच की सुविधा शुरू हो जाने से टीबी मुक्त अभियान को गति मिलेगी। गंभीर मरीजों को अब जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और समय पर रिपोर्ट मिलने के बाद उनका इलाज चिकित्सक समय पर शुरू कर सकेंगे।
-प्रो. संजय काला, प्राचार्य, जीएसवीएम मेडिकल कालेज

कुष्ठ रोगियों की खोज करेगा स्वास्थ्य विभाग

कानपुर : स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दो सितंबर से घर-घर पहुंचकर कुष्ठ रोगियों की पहचान करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आलोक रंजन ने बताया कि दो वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में लक्षण के आधार पर स्क्रीनिंग की जाएगी। जिला कुष्ठ रोग नियंत्रण अधिकारी डा. महेश कुमार के अनुसार, अभियान में करीब 51.95 लाख लक्षित आबादी है। इसमें 5195 टीम और 1039 पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। जासं

दिव्यांग बच्चों को इलाज में देंगे प्राथमिकता

जासं, कानपुर : भारतीय बाल रोग अकादमी की ओर से आइएपी वैरिटी दिवस पर रविवार को दिव्यांग बच्चों में उपहार का वितरण किया गया। दर्शनपुरवा स्थित दिव्यांग डेवलपमेंट सोसाइटी में करीब 30 बच्चों को जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला, अकादमी के अध्यक्ष डा. यशवंत राव, सचिव डा. अमितेश यादव ने उनका इलाज प्राथमिकता पर करने का वादा किया। अगले सप्ताह मेडिकल कालेज में सभी का स्वास्थ्य परीक्षण होगा। दिव्यांग डेवलपमेंट सोसायटी की सचिव मनप्रीत कौर, जिया फातिमा, अर्चना आडवाणी, सूरज, तुषार साहनी उपस्थित रहे।

17 करोड़ से बनेंगे स्टेट आफ आर्ट 12 सुइट

जागरण संवाददाता, कानपुर : गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय (जीएसवीएम) मेडिकल कालेज में अब परीक्षा और निरीक्षण के लिए आने वाले अतिथियों को रोकने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अब यहां नये गेस्ट हाउस का निर्माण होने जा रहा है। इसके लिए शासन की ओर से 17 करोड़ धनराशि की स्वीकृत भी हो गई है। जीएसवीएम में बनने वाला नया गेस्ट हाउस स्टेट आफ आर्ट होगा। बीएचयू की तर्ज पर बनने वाले इस गेस्ट हाउस में 12 सुइट के साथ करीब 40 लग्जरी कमरे होंगे। इसके अलावा मेडिकल कालेज के डाक्टर और रेजिडेंट को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के लिए यहां एक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का भी निर्माण किया जाएगा। नए गेस्ट हाउस के पास खाली जमीन में बनने वाले इस कांप्लेक्स में डाक्टरों के लिए बैडमिंटन, लान टेनिस, वालीबाल, बास्केटबाल खेलने और जिम करने के साथ टहलने के लिए ट्रैक की व्यवस्था

रहेगी। शासन ने कांप्लेक्स के लिए भी पांच करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि परिसर में बने पुराने गेस्ट हाउस में आठ कमरे हैं। अब स्टेट आफ आर्ट के रूप में बनने वाले नए गेस्ट हाउस के तीन मंजिल के भवन में किचन और मेस का निर्माण भी किया जाएगा। जहां पर एक साथ 50 अतिथियों के भोजन करने की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से पहली किश्त के रूप में छह करोड़ की धनराशि जारी की गई है। जल्द ही परिसर में निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण भी होगा।

NABL Certification of HIV Lab as per ISO 15189:2022

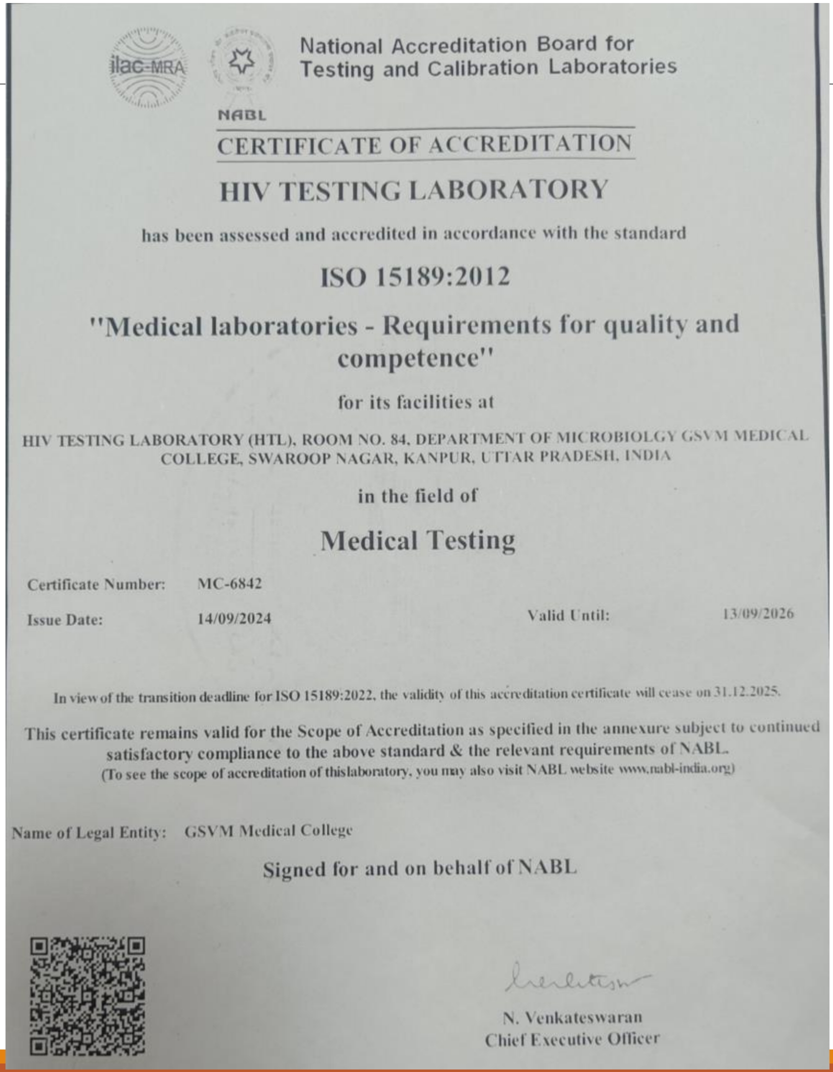

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

HIV TESTING LABORATORY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

HIV TESTING LABORATORY (HTL), ROOM NO. 84, DEPARTMENT OF MICROBIOLGY GSVM MEDICAL COLLEGE, SWAROOP NAGAR, KANPUR, UTTAR PRADESH, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-6842

Issue Date: 14/09/2024 Valid Until: 13/09/2026

In view of the transition deadline for ISO 15189:2022, the validity of this accreditation certificate will cease on 31.12.2025.

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of thislaboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Entity: GSVM Medical College

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

NABL Certification of HIV Lab as per ISO 15189:2022

एनएबीएल की चार दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

नेशनल एक्सप्रेस / उत्कर्ष सिंह

कानपुर। मेडिकल लेबोरेटरी में होने वाले सभी टेस्टो की गुणवत्ता एवं विश्वशनीयता सुनिश्चित करने के लिए चार दिवसीय एन.ऐ.बी.एल इंर्टनल ऑडिटर्स कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कानपुर देहात मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. सज्जन लाल वर्मा , कानपुर मेडिकल कालेज की उप प्राचार्या डॉ रिचा गिरी, प्रमुख अधीक्षक डॉ आर.के.सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक मेडिसन विभाग के डॉ जे.एस.कुशवाहा, पैथालॉजी विभागध्यक्ष डॉ महेन्द्र सिंह, मेडिसन विभागाध्यक्ष डॉ ए के गुप्त, माइक्रोबायोलॉजी के विभागध्यक्ष डॉ सुरैया खानन अंसारी, डॉ चयनिका काला, ट्रांसफ्यूजन मेडिसन विभागध्यक्ष डॉ लुबना खान , डॉ संतोष बर्मन, विशिष्ट अतिथि डॉ अतुल कुमार एमडी रीजेंसी हॉस्पिटल ने मिल कर दीप प्रज्जवलन कर किया।

माइक्रो बायोलॉजी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ विकास मिश्रा ने बताया कि इस कार्यशाला के अर्न्तगत जांचो की गुणवत्ता, रिपोर्ट की गुणवत्ता को परखने का कार्य कर उसे बेहतर नतीजा देने का कार्य कियश जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्सर लैब मेंरिर्पोट और जांचे गलत हो जाती है जिससे मरीज के इलाज में काफी परेशिायों का सामना करना पडता है। वर्ष 2003 में एन.ऐ.बी.एल एचआईबी लैब की स्थापना की गई थी। जिसके माध्यम से मेडिकल लैब्स की सत्त गुणवत्ता में सुधार की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला से प्रशिक्षित होने के बाद प्रशिक्षु अपनी लैब्स में राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता मानके के अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। इसी क्रम में कानपुर देहात के प्राचार्य डॉ सज्जन लाल वर्मा ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए सभी संकाय सदस्यो को बधाई दी और कहा कि सटीम जांच और रिपोर्ट आने से मरीज का बेहतर इलाज करने में आसानी होगी साथ ही चिकित्सको को भी बाहर की जांचो से छुटकारा मिलेगा। उप प्राचार्या डॉ रिचा गिरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एन.ऐ.बी.एल कार्यशाला से कई तरह से लोगो को और कालेज के छात्रो को बहुत ही सहयोग मिलेगा। एन.ऐ.बी.एल कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले जासंचो और रिर्पोटो को सही मानको के अनुसार ही बना सकेंगे। इस कार्यशाला में कानपुर के आस पास के जनपदो से लगभग 60 डाक्टर्स और मेडिकल लैबो में कार्यरत विभिन्न हेल्थ केयर वर्कर्स ने प्रतिनिधि के रूप में अपना पंजीकरण करवाया है।

प्रतिभागियों को दिल्ली से आये एक्सपर्ट और एन.ऐ.बी.एल ट्रेनर्स विभिन्न विषयो पर अपना व्याखान देंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से एच.ऐस.क्यू इंसट्यिूट के डायरेक्टर यशेन्द्र सिंह समेत तमाम पैथालॉजी फैक्लटी सदस्य मौजूद रहे।

लैब में हो रहे टेस्ट की गुणवत्ता को लेकर मंथन

कानपुर। मेडिकल लेबोरेटरी में होने वाले सभी टेस्ट की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने को लेकर चार दिवसीय एनएबीएल इंटरनल ऑडिटर्स कार्यशाला हुई। आयोजन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलाजी विभाग ने किया। 28 जुलाई को कार्यशाला का समापन होगा। लेक्चर थिएटर में शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. संजय काला ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ.अतुल कपूर रीजेंसी हॉस्पिटल, डॉ.सज्जन लाल, डॉ. रिचा गिरी उप प्रधानाचार्या, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज और डॉ. आरके सिंह मौजूद रहे।

District-level HIV Training Program

ना अनुमति पत्नी को भी नहीं बता सकते एचआईवी का संक्रमण

ुर (एसएनबी)। पैथोलॉजी सेंटर में
जांच में कोई व्यक्ति एचआईवी
ाव आता है तो विना उसकी अनुमति के
त की पत्नी को भी इसकी जानकारी
ी जा सकती है। एचआईवी व एड्स
की पहचान गोपनीय रखने के लिए कई
वनाये गये हैं। मंगलवार को
वीएम मेडिकल कालेज के
ावायोलॉजी विभाग में आयोजित
ाला में प्रोफेसर विकास मिश्रा और
ाध्यक्ष डॉ. सुरैया खानम ने यह
ारी दी।
एचआईवी टेस्टिंग स्टेट रिफ्रेंस
टरी व मेडिकल कालेज के
ावायोलॉजी विभाग की ओर से जिला
इक्वास कार्यशाला का आयोजन
गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य
जय काला ने किया। कार्यशाला में
रएल एचआईवी टेस्टिंग लेवोरेटरी से
द्ध सात जिलों के करीव 35
ीटीसी/एचटीसीएस सेंटर के लैव
शियन्स को प्रशिक्षण दिया गया। डॉ.
ा मिश्रा ने वताया कि एचआईवी/एड्स
ातों के रक्त नमूने लेने के दौरान सभी
शियन को हर समय अलर्ट रहना होगा

मेडिकल कॉलेज में एचआईवी कार्यशाला का दीप जलाकर शुभारंभ करते प्राचार्य डॉ. संजय काला व अन्य। फोटो : एसएनवी

क्योंकि जरा सी लापरवाही से उन्हें भी संक्रमण हो सकता है। सात जिलों में 35 आईसीटीसी सेंटरों की जांच रिपोर्ट ही मान्य होती है। सेंटरों में तीन वार नमूनों की जांच की जानी चाहिए। कार्यशाला में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रुखावाद व उन्नाव के आईसीटीसी सेंटरों के लैव टेक्नीशियन्स ने भाग लिया। प्रतिभागियों को एचआईवी की टेस्टिंग, सैंपल कलेक्शन विधि, टेस्टिंग में गुणवत्ता सुधारने की जानकारी दी गयी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. आरपी मिश्रा, उप जिला क्षयरोग अधिकारी डा. राजेश्वर सिंह, मेडिकल कालेज की उप प्राचार्य डॉ. रिचा गिरि, हैलट के प्रमुख अधीक्षक डा. आरके सिंह, डा. मधु यादव, डा. रोशनी अग्रवाल, डा. आर सुजाता मौजूद थीं।

लैब टेस्टिंग क्वालिटी को सुधारने के दिए टिप्स

KANPUR : एचआईवी टेस्टिंग स्टेट रिफ्रेंस लेबोरेट्री, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट ने डिस्ट्रिक लेवल एचआईवी ईक्यूएएस वर्कशाप का आयोजन किया गया. जिसमें एसआरएल एचआईवी टेस्टिंग लेबोरेट्री से संबद्ध सात सिटीज के लगभग 35 लैब टेक्नीशियन ने भाग लिया. वर्कशाप की शुरुआत माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी व वर्कशाप की अध्यक्ष डॉ. सुरैया खानम अंसारी, प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने किया. वर्कशाप में प्रतिभागियों को एचआईवी की टेस्टिंग सैम्पल कलेक्शन विधि, टेस्टिंग की गुणवत्ता सुधारने के बारे में जानकारी दी गई. इस मौके प्रो. डॉक्टर विकास मिश्रा, डॉ. मधु यादव, डॉ. रोशनी अग्रवाल, डॉ. आरके सुजाता आदि मौजूद रहे.

Antibiotic Awareness Week Celebrations Under Antimicrobial Stewardship Program

बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न लें

एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के तहत पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को किया गया सम्मानित। फोटो : एसएनबी

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में बुधवार को एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के तहत पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें आम जनता को यह संदेश दिया गया कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न लें। 23 नवंबर को सुबह 7 बजे मेडिकल कालेज से जागरूकता रैली निकाली जाएगी।

मेडिकल कालेज में 18 से 24 नवंबर तक एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस कड़ी में बुधवार को एमबीबीएस पैरा टू के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में एंटीबायोटिक दवाओं के दुष्प्रभाव बताये। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। 23 नवंबर को सप्ताह के तहत मेडिकल कालेज से रैली निकाली जाएगी। रैली का शुभारंभ प्राचार्य डा. संजय काला व उप प्राचार्य डा. रिचा गिरि करेंगी। दोपहर 3 बजे एलटी थ्री में एंटीबायोटिक नीति व दवा के दुष्प्रभाव पर डा. विकास मिश्रा व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलाजी विभागाध्यक्ष डा. सुरैया खानम अंसारी व अन्य फैकल्टी सदस्य मौजूद थे।

Antibiotic Awareness Week Celebrations Under Antimicrobial Stewardship Program

महानगर
कानपुर

3 कानपुर। शुक्रवार • 24 नवम्बर • 202

अंधाधुंध प्रयोग से बैक्टीरिया व वायरस पर एंटीबायोटिक हो रही बेअसर

कानपुर (एसएनबी)। वायरस जनित रोगों में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग अनावश्यक बढ़ गया है। एंटीबायोटिक के अधिक सेवन से वायरस खुद को इन दवाओं के अनुरूप ढाल लेते हैं और धीरे-धीरे दवाओं के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं। इससे यह दवाएं वायरस पर बेअसर हो जाती हैं। एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के तहत गुरुवार को जीएसवीएम मेडिकल कालेज से सुबह 7 बजे जागरूकता रैली निकाली गयी, जिसमें डॉक्टरों व मेडिकल छात्रों ने राहगीरों को बैनरपोस्टर के माध्यम से जागरूक किया। रैली का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय काला, उप प्राचार्य डॉ. रिचा गिरि व प्रमुख अधीक्षक डा. आरके सिंह ने किया।

रैली मेडिकल कालेज से हैलट व अन्य अस्पतालों से होते हुई वापस कालेज में समाप्त हुई। यहां माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुरैया खानम अंसारी व डॉ. विकास मिश्रा ने बताया कि एंटीबायोटिक दवाओं के ज्यादा

एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के तहत मेडिकल कॉलेज से निकाली गयी रैली

डॉक्टरों ने बेअसर हो रही एंटीबायोटिक दवाओं पर जतायी चिंता

मेडिकल कॉलेज से जागरूकता रैली निकालते डॉक्टर। फोटो : एसएनबी

प्रयोग से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस तेजी से फैल रहा है। वैसे एंटीबायोटिक दवाएं मरीजों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाती हैं पर वायरल डिजीज में एंटीबायोटिक का अनावश्यक प्रयोग समस्या पैदा कर रहा है। इसमें रोग फैलाने वाले वायरस, बैक्टिरिया, फंगल व परजीवी इन दवाओं के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं। इससे मरीज का संक्रमण जल्दी ठीक नहीं होता है। इस तरह के मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस बैक्टिरिया को सुपर बग भी कहते हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्तमान में जो एंटीबायोटिक दवाएं मौजूद हैं, वह सभी लगभग रेजिस्टेंट हो चुकी हैं। यह अति चिंता का विषय है। आने वाले समय में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। रैली में यह संदेश दिया गया कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न लें। रैली में प्रोफेसर यशवंत राव, डॉ. सुनीति पांडेय, डॉ. लुबना खान, डॉ. प्रेम शंकर, डॉ. योगेंद्र नारायण वर्मा, डॉ. सीमा द्विवेदी, डॉ. हिमांशु शर्मा व छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में पुरस्कृत हुए छात्र

कंपूमेल ब्यूरो/कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से एंटी बायोटिक जागरुकता सप्ताह अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम 18 नवंबर को शुरू हुआ था जो 24 नवंबर तक चलेगा। मरीजों के इलाज में मरीजों के उपचार में एंटी बायोटिक दवाओं के उपयोग के विचार शून्य प्रयोग किये जाने से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा की गई। बुधवार को एमबीबीएस पैरा-2 के छात्रों द्वारा मेडिकल कालेज के एलटी-3 हाल में एंटी बायोटिक जागरुकता पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अच्छे स्लोगन, पोस्टर बनाने पर प्राचार्य डा. संजय काला ने छात्रों को पुरस्कृत किया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के मीडिया प्रभारी डा. विकास मिश्रा ने बताया कि इसी कड़ी में 23 नवंबर को मेडिकल कालेज से सुबह 7 बजे एक जागरुकता रैली निकाली जाएगी। जिसमें मेडिकल कालेज के अंडर ग्रेजुएट व पैरामेडिकल छात्र शामिल होंगे। वहीं एलटी-3 हाल में एंटीबायोटिक विचार शून्य व दुष्प्रभावों विषय पर व्याख्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य डा. रिचा गिरि, प्रमुख अधीक्षक डा. आरके सिंह, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह, डा. सुरैया खानम अंसारी, डा. वीरेंद्र कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

Hospital Infection Control Program

Regular surveillance of high risk areas for HAIs.

Regular training sessions on Infection control

practices for doctors, nurses and other healthcare workers.

Hospital Infection control Committee established

Public Awareness Campaign on Hand Hygiene Day

सफाई का संदेश

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में हाथ स्वच्छता दिवस पर जागरूकता गोष्ठी, स्वस्थ जीवन के लिए हाथों की सफाई पर जोर

20 सेकंड हाथ धोएं, आधी बीमारी दूर भगाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कीटाणुओं को फैलने से रोकने और उन्हें दूर करने के लिए हाथों का साफ होना सबसे उचित व प्रभावी तरीका है। संक्रमण से बचने और स्वच्छता का संदेश देने के लिए प्रतिवर्ष पांच मई को लोगों को इसके प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। आधी बीमारी हाथ के बैक्टीरिया व कीटाणुओं के कारण शरीर में प्रवेश करती है, जिसे 20 सेंकेड तक हाथ धोने से दूर किया जा सकता है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम हुआ। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.सुरैया खानम अंसारी व आचार्य डॉ.विकास मिश्रा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दिए गए निर्देश के मुताबिक हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक धोना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाथ धोने से संक्रामक रोग डायरिया, दस्त, पेट दर्द, कुपोषण, कृमि संक्रमण, फ्लू, त्वचा संबंधी रोग और आंखों के संक्रमण से बचाव होता है। हाथ धोने से बैक्टीरिया का संक्रमण न के बराबर होता है और संक्रमण फैलने का खतरा कम होता है। नियमित रूप से हाथ धोना स्वास्थ्य कर्मियों और रोगियों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण है। इसके अलावा हाथ धोने से नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

एमबीबीएस पैरा आर-2 के छात्र-छात्राओं के बीच हैंड हाइजीन व इंफेक्शन कंट्रोल प्रैक्टिसस पर एक पोस्टर प्रतियोगिता हुई, जिसमे विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। छात्रों ने रंगोली बनाकर मरीजों को इससे होने वाले फायदे बताकर जागरूक किया। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, उप प्रचार्य प्रो. रिचा गिरी, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह, एचआईसी नोडल अधिकारी डॉ.रूचि गुप्ता, डॉ.रजनी सिंह, डॉ. मधु यादव, डॉ.हिमांशी, डॉ. मनोज, डॉ. अंकाक्षा, डॉ.दीप्ति समेत आदि रहे।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के दौरान मौजूद मेडिकल छात्र-छात्राएं व विभागाध्यक्ष डॉ.सुरैया खानम।

इन नियमों का करें पालन

- साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकेंड तक हाथ धोएं।
- बच्चों को हाथ धोने की आदत जरूर से जरूर से सिखाएं।
- 70 फीसदी एल्कोहल युक्त सेनेटाइजर का उपयोग करें।
- हाथ धोने के लिए समाज में जागरूकता भी फैलाएं।

कब हाथ धोना बेहद जरूरी

- जब आप खाना खाने वाले हों और खाना खाने के बाद।
- घाव साफ करने के बाद हाथों को सेनेटाइज करना न भूलें।
- जब भी किचन का काम करें, खासकर काना पकाते समय।
- भोजन बनाने के बाद। मांस-मछली साफ करने के बाद।
- फल और सब्जियों को काटने और खाने से पहले।
- घर का कचरा, पालतू जानवर, पशु का चारा छूने के बाद।
- रक्त या शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क के बाद।
- शौचालय से आने के बाद और बच्चे का डायपर बदलने के बाद।
- रोगी के आसपास की वस्तुओं को छूने के बाद।
- नाक साफ करने, खांसने-छींकने के बाद व बाहर से आने के बाद।
- घर में यदि कोई बीमार है तो उसकी देखभाल के बाद।
- बाहर से घर आने के बाद साबुन से हाथ जरूर धोने चाहिए।

दैनिक जागरण

हैंड हाइजिन जरूरी, साबुन से 20 सेकेंड तक धोएं

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस

जागरण संवाददाता, कानपुर : विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर सोमवार को जीएसवीएम मेडिकल कालेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जीएसवीएम के माइक्रोबायोलाजी विभाग में विभागाध्यक्ष डा. सुरैया खानम अंसारी, प्रो. विकास मिश्रा ने पैरा आर टू बैच के साथ पैरामेडिकल की टीम को हाथ की स्वच्छता का महत्व समझाया। विभागाध्यक्ष ने कहा कि दस्ताने संक्रमण से पूर्ण सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते हैं। इसलिए हैंड हाइजिन जरूरी है। साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकेंड हाथ धोने की आदत हर किसी को डालनी चाहिए। यदि पानी न हो तो 70 प्रतिशत एल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का प्रयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में मेडिकल छात्र-छात्राओं के साथ पैरा मेडिकल की टीम ने मिलकर पोस्टर और रंगोली के जरिये समाज को स्वच्छता का महत्व समझाया और स्वच्छ हाथ से स्वस्थ समाज का संदेश दिया। डा. विकास ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, रोगी को छूने से पहले और बाद तथा उसके तरल पदार्थ के संपर्क के बाद हाथ स्वच्छता जरूरी है। स्वस्थ समाज के लिए हाथ की स्वच्छता जरूरी है। इसके बाद पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता में मेडिकल छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इसमें डा. मधु यादव, डा. रुचि गुप्ता, डा. रजनी सिंह, डा. हिमांशी, डा. मनोज, डा. आकांक्षा, डा. दीप्ति उपस्थित रहीं।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर जीएसवीएम के माइक्रोवायोलॉजी विभाग में हुए जागरूकता आयोजन में विभाग प्रमुख डा. सुरैया खानम अंसारी के साथ, डाक्टर और पैरामेडिकल टीम● जीएसवीएम

S.No.	On Going Research Works	Candidate	Guide
1.	Characterization and Antimicrobial Susceptibility Profiling of *Enterococci* in Diverse Clinical Samples from a Tertiary Care Hospital in North India with Special Reference to Vancomycin and High-level Gentamicin Resistance	Dr. Akanksha Vikram	Dr. Suraiya K. Ansari
2.	Detection of Hepatitis B virus Coinfection Among Clinically Suspected Human Immunodeficiency Virus (HIV) Patients in Tertiary Care center in North India	Dr. Ravindra Kumar	Prof. (Dr.) Vikas Mishra
3.	To Study the Role of Genotype MTBDRplus Line Probe Assay for Diagnosis of Abdominal Tuberculosis – an Observational Cross-sectional Study	Dr. Deepak Kumar	Dr Madhu Yadav

Other projects
AMR Project under NCDC, N.Delhi
VDRL project
Hepatitis testing under NVHCP
HIV testing under UPSACS, NACO

New Equipments

Vitek 2 Compact(Automated Id and Antimicrobial susceptibility testing)

BacT Alert automated blood culture System

Laboratory Data

NAME OF SAMPLE	APR MAR 2018-2019	APR MAR 2019-2020	APR MAR 2020-2021	APR MAR 2021-2022	APR MAR 2022-2023	APR MAR 2023-2024	APR MAR 2024-2025
Blood	2318	3241	2310	3417	3417	2022	4561
Urine	1449	2404	1360	2390	3823	2617	6745
Sputum	1340	1166	623	2420	3121	1494	3582
Body Fluid	1968	2422	1746	2545	3255	1866	1119
AFB	961	1068	1015	2884	3195	1540	20
KOH of sputum, body fluid, corneal scrapping, nail clipping	693	739	814	2489	3196	1658	2599
TOTAL	**8729**	**11040**	**7868**	**16145**	**20007**	**11197**	**18716**